University in News on 17 July 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

कॉलेजों के विद्यार्थी लविवि से कर सकेंगे स्नातक चौथे वर्ष की पढ़ाई

स्नातक तृतीय वर्ष में न्यूनतम 7.5 सीजीपीए लाना अनिवार्य

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। तीन साल तक कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक के चौथे वर्ष में दाखिला ले सकेंगे। इसके लिए उनको निर्धारित शर्तों का पालन करना होगा। लविवि ने मंगलवार को इससे संबंधित नियम व शर्तों की घोषणा की है।

लविवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि अब स्नातक चार वर्षीय पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाला राज्य का पहला विवि बन गया है। एनईपी के तहत चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम केवल वही शिक्षण संस्थान (कॉलेज) संचालित कर सकते हैं, जहां संबंधित कोर्स में परास्नातक की पढ़ाई होती हो। चौथे साल में दाखिला लेने के लिए विद्यार्थी को स्नातक तृतीय वर्ष तक

सीटों की उपलब्धता के आधार पर विश्वविद्यालय में मिलेगा दाखिला

न्यूनतम 7.5 सीजीपीए लाना अनिवार्य है। 7.5 सीजीपीए वाले सिर्फ उन कॉलेज के विद्यार्थी ही लविवि परिसर में दाखिले के पात्र होंगे, जहां संबंधित विषय में परास्नातक की पढ़ाई न होती हो। कॉलेजों के विद्यार्थियों के प्रवेश लविवि में खाली सीटों की उपलब्धता और मेरिट के आधार पर लिए जाएंगे। चौथे वर्ष में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थी अपने सातवें सेमेस्टर में तीन मुख्य विषय, दो वैकल्पिक विषय व शोध पद्धति का अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही विद्यार्थी आठवें सेमेस्टर में शोध कार्य करेंगे, जिसे शोध प्रबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

एक-एक सेक्शन की पढ़ाई जरूरत पड़ने पर बढ़ेंगी सीटें

■ डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि फिलहाल चौथे वर्ष में हर पाठ्यक्रम के लिए एक-एक सेक्शन में दाखिले का लक्ष्य रखा गया है। लविवि परिसर के विद्यार्थियों के इससे ज्यादा आवेदन होने पर सेक्शन की संख्या बढ़ाई जाएगी। सीटें खाली होने पर कॉलेज के विद्यार्थी भी दाखिला ले सकेंगे। इसके लिए मेरिट को आधार बनाया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि किसी भी सूरत में लविवि परिसर के विद्यार्थी को इच्छुक होने की सूरत में चौथे साल में दाखिला जरूर मिल जाए।

पीजी कोर्सों में आवेदन का आज अंतिम मौका

लखनऊ। लविवि में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में बुधवार को आवेदन फॉर्म भरने का अंतिम मौका है। जिन विद्यार्थियों ने दाखिले के लिए आवेदन नहीं किया है, वे विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर आवेदन फॉर्म भर सकते हैं। विवि के 40 विभागों में पीजी के 73 कोर्स संचालित हैं। इनमें 5062 सीटें हैं। विवि ने छह अप्रैल को इन कोर्सों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे थे। अंतिम तिथि पहले जून में थी, बाद में बढ़ाकर 17 जुलाई कर दिया गया था। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी विवि में परास्नातक प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में एमएड, बीपीएड, एमपीएड, एमबीए व एमटीटीएम में भी आवेदन कर सकते हैं। जो कॉलेज केंद्रीयकृत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल होंगे, उनके यहां की सीटों पर प्रवेश भी विवि ऑनलाइन माध्यम से करेगा। (संवाद)

लविवि में मंगलवार को छात्र-छात्राओं की आमद से गुलजार रहा कैंपस। -संवाद

चार कोर्सों में प्रवेश के लिए चॉइस फिलिंग शुरू

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विवि ने स्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र 2024-25 के अंतर्गत चार कोर्सों के लिए चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें बीकॉम एनईपी, बीकॉम ऑनर्स, बीसीए और बीएससी गणित पाठ्यक्रम शामिल हैं।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि ऑनलाइन काउंसिलिंग के अंतर्गत अभ्यर्थी विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की चॉइस फिलिंग 15 से 17 जुलाई तक विवि की वेबसाइट के एडमिशन पेज पर कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपनी लॉगइन आईडी के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करेंगे। पूरा विवरण वेबसाइट पर है।

आठ कोर्सों में प्रवेश की उत्तर कुंजी जारी : लविवि ने मंगलवार को आठ कोर्सों के लिए हुई प्रवेश परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी कर दी। अभ्यर्थी लविवि की वेबसाइट पर जाकर ओएमआर सीट की कार्बन कॉपी से उत्तर कुंजी का मिलान कर सकते हैं। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने पत्र जारी करते हुए कहा कि जिन कोर्सों की उत्तर कुंजी जारी की गई है उनमें बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए, बीसीए एवं एलएलबी पांच वर्षीय कोर्स शामिल हैं।

आठ पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम किया जारी

लखनऊ। लविवि ने मंगलवार को आठ पाठ्यक्रमों का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट पर देख सकते हैं। किसी तरह की समस्या आने पर परीक्षा विभाग में संपर्क कर सकते हैं। परीक्षा विभाग ने जिन कोर्सों के परिणाम जारी किए हैं उसमें एमटीटीएम, एमए, एमएससी, एमएचए व बीसीए सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शामिल हैं। (संवाद)

एलयू: छात्रावास छात्रों को आवंटित

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए पीएचडी शोधार्थियों और एमएससी के विद्यार्थियों को छात्रावासों का आवंटन दोबारा कर दिया गया है। जिसकी सूची एलयू की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि पुरुष पीएचडी शोधार्थियों को मुख्य परिसर में बलरामपुर छात्रावास और नवीन परिसर में होमी जहांगीर भाभा छात्रावास का आवंटन किया गया है। महिला पीएचडी शोधार्थियों को मुख्य परिसर में गोल्डन जुबली, नवीन में अंबेडकर छात्रावास आवंटित हुआ है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई तय की है।

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू अब पाठ्य पुस्तकें हिन्दी भाषा में तैयार करेगा

17 पुस्तकों का पहले भी कर चुका है अनुवाद

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय को हिन्दी भाषा में पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के लिए नोडल संस्थान बनाया गया है। एलयू के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। हालांकि विश्वविद्यालय पहले भी कई पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद कर चुका है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यूजीसी और भारतीय भाषा समिति, भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में एक बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक में भारतीय भाषाओं में पाठ्य पुस्तकें तैयार किए जाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में देश भर से 150 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने हिस्सा लिया था। कुलपति ने बताया कि बैठक में विश्वविद्यालय को हिन्दी में पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के लिए नोडल बनाया गया है।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू 17 पाठ्य पुस्तकों का अनुवाद पहले कर चुका है। पीएम मोदी ने क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित पुस्तकों का विमोचन किया था।

एलयू: स्नातक में च्वाइस फिलिंग शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2024-25 स्नातक प्रवेश प्रक्रिया के तहत बीएससी गणित एनईपी, बीसीए, बीकॉम एनईपी और बीकॉम ऑनर्स के लिए च्वाइस फिलिंग शुरू हो गई है। अभ्यर्थी वेबसाइट पर च्वाइस फिलिंग कर सकते हैं।

प्रवक्ता प्रोफेसर दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि बीकॉम एनईपी और बीकॉम ऑनर्स के लिए 17 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग कर सकेंगे। जबकि बीएससी गणित एनईपी और बीसीए के लिए 18 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग होगी। च्वाइस फिलिंग करने के लिए विवि की वेबसाइट देखें।

एलयू: दो छात्रों का आईआईटी में चयन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के दो छात्रों का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में एमटेक कोर्स के लिए हुआ है। प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि 2023 बैच के बीटेक विद्यार्थी प्रियांशु शुक्ला का चयन आईआईटी रोपड़ में एमटेक के लिए हुआ है। उसने कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच ली है। बीटेक छात्र कुशाग्र वर्धन का चयन आईआईटी जोधपुर में एमटेक में थर्मो फ्लूइड ब्रांच के लिए हुआ है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने चयनित छात्रों को बधाई दी।

i-NEXT PAGE 4

स्टूडेंट्स को मिलेगी रिसर्च संग यूजी ऑनर्स की डिग्री

एलयू बनेगी चार वर्षीय यूजी प्रोग्राम के चौथे साल में प्रवेश देने वाली पहली यूनिवर्सिटी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (16 July): लखनऊ यूनिवर्सिटी एनईपी के मुताबिक चार साल के यूजी प्रोग्राम के चौथे साल में स्टूडेंट्स को प्रवेश देने वाली पहली यूनिवर्सिटी बनेगी. बता दें कि एलयू अपने यूजी और पीजी प्रोग्राम में एनईपी को अपनाने वाली देश की पहली यूनिवर्सिटी थी. यूजीसी की गाइडलाईस का पालन करते हुए यूजी प्रोग्राम के चौथे साल में प्रवेश लेने वाले स्टूडेंट्स को रिसर्च के साथ यूजी ऑनर्स की डिग्री दी जाएगी. इसके अलावा, एक साल के बाद छोड़ने वाले

CONCEPT PIC

स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट, 2 साल के बाद डिप्लोमा, 3 साल के बाद यूजी की डिग्री दी जाएगी.

चौथे साल में प्रवेश लेना स्टूडेंट्स पर निर्भर

एलयू के यूजी अध्यादेश के अनुसार, सेमेस्टर 6 में 7.5 या उससे ज्यादा सीजीपीए लाने वाले स्टूडेंट्स चौथे साल के सेमेस्टर में प्रवेश ले सकेंगे. हालांकि, चौथे साल में प्रवेश लेना जरूरी नहीं होगा और स्टूडेंट्स की इच्छा पर निर्भर करेगा. स्टूडेंट्स अपना चौथा साल भी अपने मेन सब्जेक्ट से ही कर सकेंगे, जिसे उन्होंने सेमेस्टर 5 में चुना था. कुछ स्टूडेंट्स ऐसे हैं जो चौथे साल की पढ़ाई करना चाहते हैं लेकिन ऐसे कॉलेज में है जहां चौथा साल नहीं पढ़ाते हैं. ऐसे स्टूडेंट्स यूनिवर्सिटी या किसी और कॉलेज में एडमिशन ले सकते हैं. प्रवेश सीट की उपलब्धता और मेरिट के आधार पर होगा.

चौथे साल में ये पढ़ेंगे

एलयू के स्टूडेंट सेमेस्टर 7 में 3 मुख्य कोर्सेस, 2 ऑप्शनल कोर्सेस और रिसर्च मेथोडोलॉजी पढ़ेंगे. इसके अलावा पूरे सेमेस्टर 8 में स्टूडेंट्स रिसर्च करके डेसर्टेशन के रूप में प्रस्तुत करेंगे.

चार साल के यूजी प्रोग्राम के फायदे

- इस कोर्स को करने से स्टूडेंट्स का पूरे एक साल की बचत होगी.
- इसके बाद स्टूडेंट्स नेट का एग्जाम दे सकेंगे.
- इसके अलावा स्टूडेंट्स बिना पीजी किए डॉक्टरेट की पढ़ाई भी कर सकेंगे.

ये प्रोग्राम स्टूडेंट्स को सीखने का अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया है, जो उन्हें कम समय सीमा में अपनी फील्ड में उत्कृष्टता पाने के लिए जरूरी कौशल और ज्ञान देता है. इसे ऐसे डिजाइन किया गया है, जिसमें थ्योरिटिकल नॉलेज को प्रैक्टिकल एप्लीकेशंस के साथ मिलाया गया है. प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

एलयू हॉस्टल में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

LUCKNOW (16 July) : लखनऊ विश्वविद्यालय के हास्टलों में आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है. पिछले वर्ष रह रहे विद्यार्थियों का आवंटन सत्र 2024-25 के लिए किया जा रहा है. डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. संगीता साहू ने बताया कि एमएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र और छात्राओं का आवंटन हबीबुल्ला हास्टल और कैलाश हास्टल में किया गया है. हास्टल फीस जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई है. बीए, बीकाम और बीएससी तृतीय सेमेस्टर के योग्य पाए गए छात्र-छात्राओं का भी हास्टल आवंटन कर दिया गया है. फीस जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई है. चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि बीएससी और बीकाम के छात्रों को हबीबुल्ला हास्टल और बीए के छात्रों को महमूदाबाद हास्टल मिला है.

हायर एजुकेशन की बुक्स अब हिंदी में भी

हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी को नोडल बनाया

LUCKNOW (16 July) : विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा जानने वाले विद्यार्थियों को, आने वाले समय में अच्छी पाठ्य पुस्तकों के लिए सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. उन्हें विज्ञान, तकनीकी, वाणिज्य और विधि सहित अन्य तकनीकी विषयों में हिंदी में भी उत्कृष्ट पुस्तकें मिलेंगी. यह भी पूरी तरह से नि:शुल्क. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत मातृभाषा में उच्च शिक्षा देने के लिए, यह महत्वपूर्ण कदम होगा. हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को नोडल सेंटर बनाया गया है.

12 कमेटी बनाई गई

यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन और भारतीय भाषा समिति की ओर से दिल्ली में मंगलवार को, देश के 150 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में मातृभाषा में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए 12 कमेटी बनाई गई है. हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने की दिशा में पहले से काम किया जा रहा है. इसे और गति दी जाएगी.

कई राज्य भी करेंगे सहयोग

प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई विश्वविद्यालयों के सहयोग से हिंदी की पाठ्य पुस्तक तैयार कराई जाएगी. जल्द ही इसके लिए दिशा निर्देश जारी होंगे. तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दकोश भी तैयार किए जाएंगे. पुस्तक तैयार करने के बाद विधि नोडल स्तर पर उसकी समीक्षा करेंगा, फिर भाषा और वर्तनी को देखने के लिए भारतीय भाषा समिति को भेजा जाएगा. इसके बाद यूजीसी की ओर से ई-बुक्स प्रकाशित कर, ई-लाइब्रेरी पर अपलोड कर दिया जाएगी. पहले चरण में परास्नातक स्तर पर विधि, विज्ञान और वाणिज्य आदि विषयों पर पुस्तकें तैयार होंगी.

जासं ● लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में छात्रों को प्रवेश देने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बन जाएगा। इससे पहले लवि, स्नातक और परास्नातक में एनईपी को लागू करने वाला पहला विश्वविद्यालय था। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन (यूजीसी) के दिशा निर्देश का पालन करते हुए स्नातक चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को रिसर्च के साथ स्नातक आनर्स की डिग्री मिलेगी। एनईपी के तहत स्नातक, एक वर्ष के बाद छोड़ने पर प्रमाणपत्र, दो वर्ष के बाद डिप्लोमा और तीन वर्ष के बाद स्नातक की डिग्री मिलेगी। लवि के यूजीसी अध्यादेश के अनुसार, छठे सेमेस्टर को पूरा करने के बाद 7.5 या उससे अधिक का सीजीपीए (क्यूम्लेटिव ग्रेड प्वाईंट एवरेज) पाने वाले छात्र चौथे वर्ष के 7वें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। यह पूरी तरह से छात्र की स्वतंत्र इच्छा पर निर्भर है। छात्र अपना चौथा वर्ष भी केवल अपने मुख्य विषय में ही कर सकेंगे, जिसे उन्होंने पांचवें सेमेस्टर में चुना था।

सीट रिक्त होने पर मेरिट से प्रवेश: लवि से संबद्ध कालेज जिन्होंने छात्रों के मुख्य विषय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को मंजूरी दी है। उन्हें चौथे वर्ष का कार्यक्रम चलाने की अनुमति दी जाएगी। जो छात्र चौथा वर्ष में प्रवेश लेना चाहते हैं, लेकिन ऐसे कालेज में हैं जो चौथा वर्ष नहीं पढ़ाते हैं, उन्हें भी अधर में नहीं छोड़ा जाएगा। ऐसे छात्र विश्वविद्यालय और चौथे वर्ष की पढ़ाई कराने वाले अन्य कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश सीट की उपलब्धता और मेरिट के आधार पर होंगे।

आइआइटी में दो छात्रों को मिला प्रवेश : लवि के अभियांत्रिकी और तकनीकी संकाय के दो छात्रों का चयन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में एमटेक कोर्स के लिए हुआ है। प्रियांशु शुक्ला का चयन आइआइटी रोपड़ में एमटेक, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच के लिए और कुशाग्र वर्धन का चयन आइआइटी जोधपुर में एमटेक, थर्मो फ्लूइड ब्रांच में हुआ है।

JAGRAN CITY PAGE III

चार वर्षीय स्नातक में प्रवेश देगा लखनऊ विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्नातक में प्रवेश देने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बनेगा लवि

स्नातकोत्तर डिग्री के बिना भी डाक्टरेट की पढ़ाई करेंगे छात्र

लवि के छात्र अपने सातवें सेमेस्टर में तीन मुख्य पाठ्यक्रम, दो वैकल्पिक पाठ्यक्रम और शोध पद्धति का अध्ययन करेंगे। पूरा सेमेस्टर आठ शोध के लिए समर्पित करेंगे, जिसे शोध प्रबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। विभागों को हर वैकल्पिक विषय में अधिक से अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। स्नातक में चौथा वर्ष पूरा करने वाले छात्र नेट परीक्षा देने के लिए पात्र होंगे। स्नातकोत्तर डिग्री के बिना डाक्टरेट की पढ़ाई भी कर सकते हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि यह अभिनव कार्यक्रम छात्रों को एक तेज-तरार, गहन सीखने का अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के हास्टल में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

लवि के हास्टलों में आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पिछले वर्ष रह रहे विद्यार्थियों का आवंटन सत्र 2024-25 के लिए किया जा रहा है। एमएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र और छात्राओं का आवंटन हबीबुल्ला हास्टल और कैलाश हास्टल में किया गया है। हास्टल फीस जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई है। बीए, बीकाम और बीएससी तृतीय सेमेस्टर के योग्य पाए गए छात्र-छात्राओं का भी हास्टल आवंटन कर दिया गया है। फीस जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने बताया कि बीएससी एवं बीकाम के छात्रों को हबीबुल्ला हास्टल और बीए के छात्रों को महमूदाबाद हास्टल मिला है। बीएससी की छात्राओं को चंद्रशेखर आजाद हास्टल, बीकाम छात्राओं को कैलाश और बीए की छात्राओं को तिलक हास्टल आवंटित किया गया है।

उच्च शिक्षा सहित तकनीकी विषयों में भी मिलेंगी हिंदी में पुस्तकें

जासं ● लखनऊ : शिक्षविद्यालयों में हिंदी भाषा जानने वाले विद्यार्थियों को, आने वाले समय में अच्छी पाठ्य पुस्तकों के लिए सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। उन्हें विज्ञान, तकनीकी, वाणिज्य और विधि सहित अन्य तकनीकी विषयों में हिंदी में भी उत्कृष्ट पुस्तकें मिलेंगी। यह भी नि:शुल्क। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत मातृभाषा में उच्च शिक्षा देने के लिए, यह महत्वपूर्ण कदम होगा। हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को नोडल सेंटर बनाया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत मातृभाषा में उच्च शिक्षा देने के लिए, यह महत्वपूर्ण कदम होगा। हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय को नोडल सेंटर बनाया गया है। यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन और भारतीय भाषा समिति की ओर से दिल्ली में मंगलवार को, देश के 150 विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में मातृभाषा में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए 12 कमेटी बनाई गई। हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने के लिए लखनऊ विवि को नोडल बनाया। कुलपति प्रो. आलोक राय को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। कुलपति ने बताया कि हिंदी में पाठ्य पुस्तक तैयार करने की दिशा में पहले से काम किया जा रहा है। प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के कई विश्वविद्यालयों के सहयोग से हिंदी की पाठ्य पुस्तक तैयार कराई जाएगी। तकनीकी और वैज्ञानिक शब्दकोश भी तैयार किए जाएंगे। पुस्तक तैयार करने के बाद विधि नोडल स्तर पर उसकी समीक्षा करेगा, फिर भाषा और वर्तनी को देखने के लिए भारतीय भाषा समिति को भेजा जाएगा। इसके बाद यूजीसी की ओर से ई-बुक्स प्रकाशित कर, ई-लाइब्रेरी पर अपलोड कर दिया जाएगी। पहले चरण में परास्नातक स्तर पर विधि, विज्ञान और वाणिज्य आदि विषयों पर पुस्तकें तैयार होंगी।

वीकाम में काउंसिलिंग के लिए विकल्प भरना शुरू

जासं ● लखनऊ : लवि की स्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र 2024-25 के तहत बीकाम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति), बीकाम (आनर्स), बीएससी मैथ्स एनईपी, बीसीए में प्रवेश के लिए च्वाइस फिलिंग (विकल्प भरना) शुरू हो गई है। बीकाम : में आनलाइन काउंसिलिंग के तहत अभ्यर्थी विश्वविद्यालय और कालेजों की च्वाइस फिलिंग 17 जुलाई तक कर सकते हैं। बीएससी और बीसीए में 18 जुलाई तक च्वाइस फिलिंग होगी।

PIONEER PAGE 4

एनईपी के तहत स्नातक के चौथे वर्ष में प्रवेश देने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय बना लविवि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में छात्रों को प्रवेश देने वाला देश का पहला विश्वविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय बन गया है। यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, यूजी कार्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को रिसर्च के साथ यूजी ऑनर्स की डिग्री दी जाएगी। एनईपी 2020 के अनुसार, एक वर्ष के बाद छोड़ने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र, 2 साल के बाद डिप्लोमा, 3 साल के बाद स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय के यूजी अध्यादेश के अनुसार, छठां सेमेस्टर पूरा करने के बाद 7.5 या उससे अधिक का सीजीपीए (संचयी ग्रेड बिंदु औसत) हासिल करने वाले छात्र चौथे वर्ष के सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र होंगे, यह पूरी तरह से छात्र की स्वतंत्र इच्छा पर निर्भर है। छात्र अपना चौथा वर्ष भी केवल अपने मुख्य विषय में ही कर सकेंगे, जिसे उन्होंने पांचवे सेमेस्टर में चुना था। विवि के प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के मुताबिक केवल वे कॉलेज जिन्होंने छात्रों के मुख्य विषय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम को मंजूरी दी है, उन्हें चौथे वर्ष का कार्यक्रम चलाने की अनुमति दी जाएगी। जो छात्र चौथा वर्ष करना चाहते हैं, लेकिन ऐसे कॉलेज में हैं जो चौथा वर्ष नहीं पढ़ाते हैं, उन्हें मुश्किल में नहीं छोड़ा जाएगा। ऐसे छात्र विश्वविद्यालय और चौथे वर्ष की पढ़ाई कराने वाले अन्य कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। प्रवेश सीट की उपलब्धता और मेरिट के आधार पर होंगे। इन प्रक्रियाओं को अंतिम रूप दिया जा चुका है। लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र अपने सातवें सेमेस्टर में 3 मुख्य पाठ्यक्रम, 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम, शोध पद्धति का अध्ययन करेंगे और पूरा सेमेस्टर 8 शोध के लिए समर्पित करेंगे। जिसे शोध प्रबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। विभागों को प्रत्येक वैकल्पिक विषय में अधिक से अधिक विकल्प प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि एनईपी 2020 द्वारा परिकल्पित स्वतंत्रता और लचीलेपन को अक्षरशः प्राप्त किया जा सके।

एलयू में हॉस्टल फीस जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विभिन्न छात्रावासों में पुनः आवंटन की प्रक्रिया जारी है। जिसके अंतर्गत पिछले वर्ष रह रहे विद्यार्थियों का छात्रावास आवंटन सत्र 2024-25 हेतु किया जा रहा है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो संगीता साहू ने बताया कि एम एस सी तृतीय सेमेस्टर के छात्र एवं छात्राओं का आवंटन क्रमशः हबीबुल्लाह हॉस्टल एवं कैलाश हॉस्टल में किया गया है तथा हॉस्टल फ़ीस जमा करने की अंतिम तिथि 21 जुलाई है। इसके अतिरिक्त बीए, बीकॉम एवं बीएसी तृतीय सेमेस्टर के योग्य पाए गए छात्र छात्राओं का भी छात्रावास आवंटन कर दिया गया है, इनकी फ़ीस जमा करने की अंतिम तिथि 22 जुलाई निर्धारित की गई है। चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने बताया कि बीएससी एवं बीकॉम के छात्रों को हबीबुल्ला हॉस्टल तथा बीए के छात्रों को महमूदाबाद हॉस्टल आवंटित हुआ है। इसी प्रकार बीएससी छात्राओं को चन्द्र शेखर आज़ाद हॉस्टल, बी कॉम छात्राओं को कैलाश तथा बीए की छात्राओं को तिलक हॉस्टल आवंटित किया गया है। यह सभी सूचियां विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। हॉस्टल में कक्ष आवंटन के समय माता पिता तथा स्थानीय संरक्षक को साथ लाना अनिवार्य है।

AMRIT VICHAR PAGE 8

अब स्नातकोत्तर डिग्री के बिना करें डॉक्टरेट

लखनऊ विश्वविद्यालय : एनईपी के तहत शुरू हुई नई व्यवस्था, आठ शोध से जुड़ा रहेगा पूरा सेमेस्टर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर डिग्री के बिना डॉक्टरेट की पढ़ाई कराने जा रहा है। इसका लाभ चौथा वर्ष पूरा करने वाले छात्र ले सकेंगे। अध्ययन में 3 पाठ्यक्रम और 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम को भी शामिल किया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) अनुसार चौथा वर्ष पूरा करने वाले छात्र नेट परीक्षा देने के लिए पात्र हैं। वे स्नातकोत्तर डिग्री के बिना डॉक्टरेट की पढ़ाई भी पूरी कर सकते हैं। 7वें सेमेस्टर में 3 मुख्य पाठ्यक्रम, 2 वैकल्पिक पाठ्यक्रम के साथ शोध पद्धतियों का अध्ययन होगा। पूरा सेमेस्टर 8 शोध से जुड़ा रहेगा। इसे शोध प्रबंध के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। छात्र चौथे वर्ष के सेमेस्टर सातवें सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पात्र होंगे। स्नातक (यूजी) कार्यक्रम के चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को रिसर्च के साथ यूजी ऑनर्स की डिग्री दी जाएगी। एक वर्ष के बाद छोड़ने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र, 2 साल के बाद डिप्लोमा और 3 साल के बाद स्नातक की डिग्री प्रदान की जाएगी। छात्र अपना चौथा वर्ष भी केवल अपने मुख्य विषय में ही कर सकेंगे, जिसे उन्होंने पांचवें सेमेस्टर में चुना था।

चौथे वर्ष में छात्रों को मिलेगा विकल्प

लखनऊ विश्वविद्यालय में स्नातक के छात्र अपना चौथा वर्ष अपने चुने उस विषय में कर सकेंगे, जिसे छात्र ने अपने पांचवें सेमेस्टर में चुना था। डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार स्नातक चार वर्षीय शुरू कराने जा रहा है। अंतिम सेमेस्टर में एनईपी व्यवस्था लागू की गई है। इसमें यूजी और पीजी दोनों पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया है।

इस तरह मिलेगी डिग्री और प्रमाण पत्र

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश ने बताया कि एक वर्ष के बाद छोड़ने वाले छात्रों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। दो वर्ष बाद डिप्लोमा मिलेगा। स्नातक डिग्री 3 साल के बाद प्रदान की जाएगी।

पसंदीदा विषयों का भी मिला विकल्प : लखनऊ विश्वविद्यालय की स्नातक प्रवेश परीक्षा सत्र 2024-25 के अन्तर्गत आयोजित पसंद के विषय प्रारंभ कर दिये गए हैं। इसमें बीकॉम नेप, बीकॉम आनर्स, बीसीए, बीएससी (मैथ) शामिल हैं। डॉ. दुर्गेश ने बताया कि ऑनलाइन काउंसिलिंग अभ्यर्थी विवि और महाविद्यालयों की वेबसाइट पर च्वाइस फिलिंग आप्शन पर जाकर अपने पूर्व में दिये गए लॉगिन आईडी के माध्यम से अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

प्रवेश परीक्षा का निरीक्षण करतीं प्रति कुलपति। अमृत विचार

स्नातक प्रवेश परीक्षा की उत्तर कुंजी जारी

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (यूजी) की प्रवेश परीक्षा को लेकर विवि ने वेबसाइट पर कुंजी (आंसर की) एडमिशन पेज के यूजी प्रोग्राम पर उपलब्ध करा दी है। प्रवेश समन्वयक प्रो. पंकज माथुर ने बताया कि इसमें बीए, बीएससी (मैथ) (नेप), बीएससी बायोलॉजी (नेप), बीवीओसी, बीबीए,